
आलस्य और अलबेलापन - 3

➤➤ हमारी अवस्था की परख कब होती है ?

➤➤ _ ➤➤ खुद की बीमारी में / खुद के शरीर की मृत्यु को सामने देखकर

➤➤ _ ➤➤ दूसरों की बीमारी / मृत्यु में

➤➤ _ ➤➤ अगर कोई आपके ऊपर तंत्र मन्त्र / जादू टोना करे

➤➤ _ ➤➤ जब कोई आपकी निंदा / ग्लानी करता है

➤➤ _ ➤➤ जब कोई आकी बात नहीं मानता है

➤➤ _ ➤➤ जब आपके सहयोगी आपके विरोधी बन जाएँ

➤➤ _ ➤➤ जब साधनों का अभाव होता है

→ अगर मोबाइल गुम हो जाए तो ?

➤➤ _ ➤➤ आर्थिक अभाव में

➤➤ _ ➤➤ जब बहुत बिजी होते हैं

→ अति की स्टेज में अंत की अवस्था होनी चाहिए

➤➤ _ ➤➤ जब प्राकृतिक हलचल / आपदा होती है

➤➤ योग के 2 प्रयोग

➤➤ _ ➤➤ आप जो भी संकल्प कर रहे हैं ... वह सभी संकल्प टाइप डायमंड हॉल में बड़ी स्क्रीन में टाइप हो रहे हैं

→ नीचे आपका पूरा परिचय लिखा हुआ है

➤➤ _ ➤➤ आप जो भी कर्म कर रहे हैं, पूरा विश्व आपको देख रहा है

→ सृष्टि की आत्माओं को दिव्य दृष्टि प्राप्त हो गयी है आपका पार्ट देखने के लिए

→ आत्माएं आपका LIVE TELECAST देख रही हैं

➤➤ पुरुषार्थ का सार

➤➤ _ ➤➤ जो अवस्था हमारी अमृतवेला में है, वही अवस्था आपकी दिन भर रहे

→ कोई यह नहीं देखता की आपका अमृतवेला कितना अच्छा था

→ सभी यही देखते हैं की कर्म के समय आपका व्यवहार कैसा हैं ?

➤➤ 2 मुख्य पुरुषार्थ

➤➤ _ ➤➤ समय को चुराना

→ बीच बीच में 2-2 मिनट निकालकर भी खुद की चेकिंग करो

→ रात को एक साथ सारी चेकिंग करने में दिमाग भारी हो जाता है

➡ ➡ ➡ एकांतवासी

→ Underground / गायब / गुम हो जाओ

➤ ➤ किसी को शिक्षा देने की विधि

➡ ➡ ➡ स्वयं को स्वमान में स्थित कीजिये

➡ ➡ ➡ सामने वाले को स्वमान में स्थित कीजिये

➡ ➡ ➡ उसकी महिमा कीजिये

➡ ➡ ➡ फिर शिक्षा दीजिये

➡ ➡ ➡ धैर्य से आपको ये सभी steps follow करने हैं

➡ ➡ ➡ स्थान , स्थिति और समय देखकर शिक्षा देनी है
